

प्रेस विज्ञप्ति

## जामिया और एमसीडी का 'वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण' पर संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम

सेनिटेशन (एसयू), कुलसचिव कार्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, मध्य क्षेत्र, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सहयोग से विश्वविद्यालय के एफटीके सीआईटी हॉल में 'वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में श्री अमित कुमार शर्मा (आईआरएस), उपायुक्त (एमसीडी), डॉ. एन.आर. तुली, उप स्वास्थ्य अधिकारी (एमसीडी), डॉ. हिम्मत सिंह, वैज्ञानिक (ई), राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, डॉ. ए.के. रावत, अतिरिक्त नगरपालिका स्वास्थ्य अधिकारी (एमसीडी), बड़ी संख्या में शिक्षाविद्, नीति निर्माता, प्रशासनिक और स्वच्छता कर्मचारी सदस्य, एनजीओ, आसपास के अस्पतालों, स्कूलों, मस्जिद, मंदिर, चर्च, गुरुद्वारा, पुलिस स्टेशन आदि के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रो. तौकीर अहमद (नोडल अधिकारी, एसयू, जामिया) और डॉ. अयूब खान, सेनेटरी इंस्पेक्टर, जामिया ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

जामिया के रजिस्ट्रार, प्रो नाज़िम हुसैन जाफ़री, ने कैंपस को रोग मुक्त रखने के लिए सख्त कदम उठाने के लिए अपनी शुभकामनाएं, सहयोग और प्रतिबद्धता से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अपने संबोधन में, डॉ. तुली ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दे पर एमसीडी के साथ सहयोग करने के लिए जेएमआई को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने संक्षिप्त संबोधन में वेक्टर जनित रोगों को नियंत्रित करने की समस्या के समाधान में सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया।

डॉ. हिम्मत सिंह, वैज्ञानिक (ई) ने वेक्टर जनित रोगों के विकास और उनके प्रसार का खुलासा किया। विभिन्न प्रकार के मच्छरों, उनके प्रजनन और व्यवहार के पैटर्न के बीच चित्रण करते हुए, उन्होंने वेक्टर जनित रोगों को नियंत्रित करने में सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया।

श्री अमित कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में माननीय उपराज्यपाल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के नेतृत्व में मध्य क्षेत्र में शुरू की गई पहलों को रेखांकित किया जैसे प्लास्टिक निपटान के लिए सीएसआर के तहत अपशिष्ट निपटान को स्रोत पर नियंत्रित करना, खाद बनाना, मशीनों की स्थापना करना और ई-कचरे का निस्तारण करना। उन्होंने वेक्टर जनित रोगों की समस्याओं से निपटने के संगठनात्मक पहलुओं के बारे में भी विस्तार से बात की।

श्री शर्मा ने जामिया के स्वच्छता संबंधी प्रयासों की सराहना की और जामिया से अनुरोध किया कि वह एमसीडी को कुछ जगह मुहैया कराए जहां वह प्लास्टिक निपटान और ई-कचरे के संग्रह के लिए एक मशीन स्थापित कर सके। उन्होंने जेएमआई से एमसीडी के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने को भी कहा ताकि इसे जीरो-वेस्ट विश्वविद्यालय घोषित किया जा सके। अपनी समापन टिप्पणी में, श्री शर्मा ने उपस्थित सभी लोगों को दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई।

प्रो. तौकीर अहमद द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय  
जामिया मिल्लिया इस्लामिया